मन की अवस्था का
मानव जीवन-चरित्र
पर प्रभाव

मन की अवस्था का मानव जीवन-चरित्र पर प्रभाव

प्रकाशक :
सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.)
"वसुन्धरा" ग्राम भोपानी–लालपुर रोड फ़रीदाबाद–121002 (हरियाणा)
फ़ोन–0129 2202316, 820 ext. 504 फ़ैक्स–0129 2201125, 2202447
ई–मेलः info@satyugdarshantrust.org website: www.satyugdarshantrust.org

© सर्वाधिकार सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.) सुरक्षित
ISBN : 978-81-910671-7-0

प्रथम संस्करण
अप्रैल, 2013

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	संकलन	पृष्ठ संख्या
	मन की अवस्था का मानव जीवन-चरित्र पर प्रभाव (दिनाँक 2 दिसम्बर 2012)	
	प्रातःकालीन कार्यक्रम	
1	अंतःकरण	1
2	मन की स्थिरता व चंचलता ही मानव को सदाचारी व दुराचारी बनाती है। आओ जानें कैसे?	8
3	मन का विश्लेषण	18
4	मन का यथार्थ	27
5	सेवा-भाव	29
	संध्याकालीन कार्यक्रम	**38**
6	साजन जी दा लिख रहे हैं जीवन चरित्र	39
7	मिथ्या आचरण छोड़ो सदाचार अपनाओ	42
8	मन मानव में वह शक्ति है	47
9	मन अपना सब शान्त रखो	49
10	कहानी	50
11	ओ स्कूल खुलया जे	53
12	जीवन युग सजन-युग बन जाए	55

Request for this book

Email
info@satyugdarshantrust.org